'स्थूल वाचन'

आचार्य काका कालेलकर – लेखक – रमेश मिलन

स्थूल (पूरक)

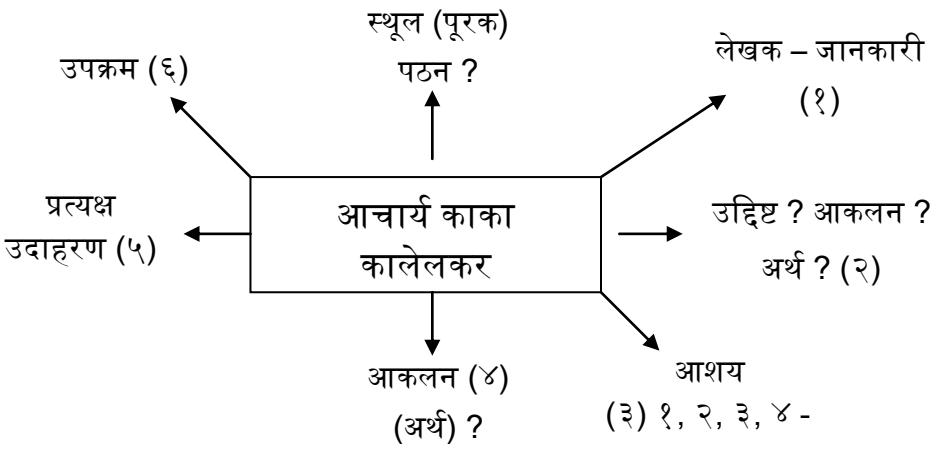

प्रस्तावना

१) प्रस्तुत पाठ – <u>विधा का प्रकार</u> - जीवनी

व्यक्ति की पूरी जिंदगी का ब्यौरा

<u>महत्त्वपूर्ण बातें</u> ?

लेखक की जिम्मेदारी क्या होती है ?

↓

पाठक उस व्यक्ति की तस्वीर अपनी आँखों के सामन खडी कर सके ।

डॉ. विनयमोहन शर्मा –

'बदलू धोबी' 'डबली बाबू' पूर्व पाठ्यपुस्तकों में शामिल व्यक्तिचित्र

रमेश मिलन

बहुविध लेखन – कविता – कहानी – नाटक

लेखक के साथ – राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक –

विशेष कार्य – हिंदी साहित्य प्रचार – प्रसार

२) उद्दिष्ट –

किसी बहुआयामी व्यक्ति का परिचय किसप्रकार कराया जाता है ?

खासकर कौनसे गुणों को बढते बच्चों के सामने रखा जाए ? इनका विचार करके पाठ का चुनाव किया गया है ।

दोस्तो, काकासाहब कालेलकर जैसे व्यक्ति की जीवनी हमें बहुत महत्त्वपूर्ण बातें बता देती है । अपना जीवन राष्ट्रसेवा जैसे काम में जुटाना, एक कर्मयोगी बनकर देश की सेवा करना ये बातें किसी व्यक्ति को संभव है ? उसके लिए कौनसे गुणों की आवश्यकता होती है ? एक तरह से यह तपस्या ही होती है । उसके लिए नौजवान अपने मन और तन दोनों की तैयारी करें इस हेतू किया जानेवाला यह प्रयत्न है ।

साथ ही इसी प्रकार आप भी किसी व्यक्ति की जीवनी लिख पाए । लिखते समय (लेखन का) जानकारी की रचना कैसी करें ? इसका उदाहरण है प्रस्तुत पाठ ...

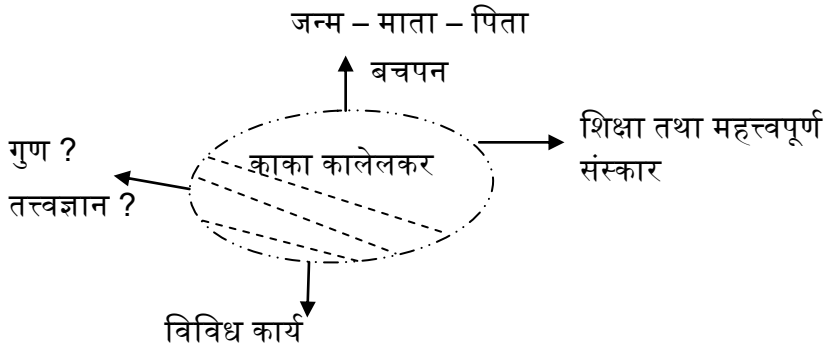

३) आशय

i) जन्म – बचपन – काकासाहब का नाम दत्तात्रेय बाळकृष्ण कालेलकर है । माणगाँव के पास 'कालेली' गाँव में बसे परिवार को 'कालेलकर' नाम मिला । १ दिसेंबर १८८५ में जन्म सातारा में हुआ ।(zoom in effect from goggle map)

पिताजी सातारा में कलेक्टर के मुख्य हिसाबनीस थे । माताजी राधाबाई सरल, सौम्य और धर्म-परायण कर्तव्यदत्र महिला थी शिक्षा – सातारा, कारवार, शहापुर, पुणे आदि जगह हुई । पुणे के फर्ग्युसन महाविद्यालय में बी.ए. की उपाधि प्राप्त की ।

ii) व्यक्तिमत्त्व विकास

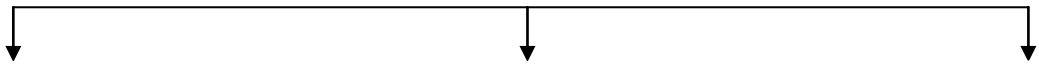

लो. तिलक दैनिक राष्ट्रमत से पत्रकारिता सीखी। विश्व विख्यात कवि रवींद्रनाथ ठाकूर, शांतिनिकेतन में रहकर कार्य

स्वामी रामानंद तीर्थ उनके विचारों का गहरा प्रभाव – देशभक्ति से प्रेरित हो वे महात्मा गांधी के आग्रह पर साबरमती आश्रम में सम्मिलित हुए। वर्धा आश्रम के मुख्य आधार बने ।दांडीयात्रा में शरीक हुए जेलयात्रा की । गांधीजी द्वारा 'राष्ट्रभाषा प्रचार समिति' का काम – दक्षिण भारत का दौरा – आंध्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, करेल का दौरा किया. हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकार करें इसके लिए प्रचार दौरा।

महर्षि अरविंद शिक्षण कार्य हिमालय की ढाई हजार मील की पदयात्रा
i) साहित्य सृजन मराठी, हिंदी, गुजराती, अंग्रेजी सभी भाषाओं में।
ii) कई नए शब्दों का गठन – सृजन किया।

iii) 'पद्मभूषण पुरस्कार'

- उनका साहित्तिक कार्य – हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने में उनका कार्य
- हिंदी की शब्द संपदा बढाने में उनका योगदान
- १९४८ में बनी नागरी आशुलिपि तथा टंकणयंत्र के लिए बनाई समिति के अध्यक्ष बनाया।

इन्ही बहुमूल्य सेवाओं का सरकार ने सम्मान किया और उन्हें 'पद्मविभूषण' से विभूषित किया।

iv) विविध संबोधन

१) लीलानंद – हिमालय की ढाई हजार मील की पदयात्रा के कारण।
२) सवाई गुजराती – उत्कृष्ट गुजराती साहित्य के लिए महात्मा गांधीजी ने कहा।
३) आंतरभारती का सच्चा उपासक – सभी धर्मों के समन्वय की भावना के कारण

काकासाहब ने दिया – महामंत्र – 'अमर संदेश'

'समन्वय ही युगधर्म है'

४) **'आकलन'**

दोस्तो किसी मजमून को पढकर हमें उसका आकलन हुआ है या नहीं ? हम कैसे जान सकते हैं ?

सीधी-सी बात है – अगर उस मजमून को हम अपने शब्दों में बता सकते हैं या फिर किसी दूसरी भाषा में अनुवाद कर सकते हैं तो समझ लिजिए कि हम 'समझ गए हैं'

मजमून में आए मुहावरों-कहावतों का अर्थ समझकर उसका अपने वाक्यों में प्रयोग करना भाषाभ्यास में 'आकलन' की और कौशल की बात मानी जाती है।

पठित गद्यखंड या कविता को समझकर उसके लिए प्रश्न तैयार करना भी इसी प्रकार आकलन की ही बात है। आपने देखा होगा कि प्रस्तुत पाठ के नीचे आपको 'प्रश्न तैयार करने को' कहा गया है। न कि और पाठों की तरह प्रश्न पूछे हैं। अंग्रेजी में तो खैर 'wh' questions समझते हैं। बस, प्रस्तुत पाठ के 'आशय' पर आधारित आपको प्रश्न तैयार करने हैं।

५) उदाहरण -:

भारत निर्माताओं में काकासाहब कालेलकर का महत्त्वपूर्ण स्थान है। वे एक व्यक्ति न होकर बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी तथा गांधीयुग के जंगम विद्यापीठ थे।
पहले इनके परिवार का कुलनाम राजाध्यक्ष था।

<u>तैयार किए प्रश्न इसप्रकार हैं</u> - :

१) भारत निर्माताओं में महत्त्वपूर्ण स्थान किन का था ?

२) वे क्या थे ?

३) पहले उनके परिवार का कुलनाम क्या था ?

यहाँ पहले प्रश्न में (किन का?) जगह – सवाल इस प्रकार बने तो ? <u>भारत निर्माताओं में काकासाहब कालेलकर का स्थान कैसा था</u> ? अधिक सार्थक बनता है।

दूसरा प्रश्न तो – 'वे' सर्वनाम से शुरू होता है। यहाँ 'वे' शब्द से किसके बारेमें सवाल है ? स्पष्ट नहीं होता। अतः सवाल बनाते समय जहाँ-तहाँ सर्वनाम की जगह व्यक्तिवाचक नाम (संज्ञा) का उपयोग करना उचित होगा
अतः सवाल बनेगा – काकासाहब कालेलकर के बारे में लेखक कौनसे विशेषण इस्तेमाल करते हैं ?
उसीप्रकार – तीसरा प्रश्न बनेगा – कालेलकरजी के परिवार का कुलनाम पहले क्या था ?

- प्रश्न पूछते समय कौनसे शब्दों का प्रयोग किया जाता है – आप तो अबतक जान गए हैं। (क्या, कब, कहाँ, कैसे, क्यों, कौन, कब, कितना, कहाँ तक ...)
- आए – अब एक उदाहरण देखते हैं।

उपक्रम (६) VO छात्रों,

<u>'स्थूल पठन' के इस पाठ के बहाने कुछ बातें समझ लेते हैं। उसपर ध्यान दें तो एक बात हम जान सकते हैं –</u>

कुल मिलाकर **आठ** – पाठ रखे हैं। इनमें से छह तो जीवनी के हैं। ये ऐसे व्यक्तित्त्व हैं जो इतिहास, सामाजिक दायित्त्व, कला, साहित्य या विज्ञान की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है।

आपकों इन पाठों का 'सार' अपने शब्दों में पंद्रह-बीस पंक्तियों में तैयार करना है।

अर्थात आपको हर पाठ के महत्त्वपूर्ण मुद्दों को लेकर खुद अपने 'सारांश' तैयार करने हैं।

<u>मूल्याकंन</u>

१. कालेलकर जी जन्म कहाँ हुआ?

अ. पुणे
आ. सातारा
इ. कोल्हपुर
ई. सोलापुर

२ . कालेलकर जी किसकी जीवनी मराठी में लिखी?

अ. स्वामी रामानन्द तीर्थ की
आ. महर्षि अरविन्द जी की
इ. स्वामी दयानन्द सरस्वती की
ई. लोकमान्य तिलक की

३. कालेलकर जी ने कहाँ शिक्षा का कार्य किया?

अ. शान्तिनिकेतन में
आ. साबरमती आश्रम में
इ. स्कूल में
ई. फर्ग्यूसन कालेज में

४. कालेलकर जी ने किस भाषा को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए सक्रीय योगदान दिया?

अ. मराठी
आ. हिन्दी
इ. अंग्रेजी
ई. ऊर्दू

Worksheet

१. कालेलकर जी गांधी जी के साथ रहकर क्या-क्या कार्य किए?

२. कालेल्कर जी ने राष्ट्र भाषा के प्रचार के लिए क्या-क्या कार्य किए?

३. कालेलकर जी के साहित्यिक योगदान के बारे में बताएँ|

४. आपके विचार से किसी भी राष्ट्र की एकता के लिए किन-किन चीजों की आवश्यकता होती है?

५. "हिंदुस्थानी संस्कृति " से कालेलकर जी का क्या अभिप्राय था |